भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3300
दिनांक 20 मार्च, 2025

आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल द्वारा पाइपलाइनों का निर्माण

†3300. श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत की सबसे बड़ी रिफाइनरियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने संयुक्त रूप से कांडला, गुजरात से गोरखपुर, उत्तर प्रदेश तक विश्व की सबसे लंबी 2800 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का निर्माण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त पाइपलाइन के निर्माण पर कुल कितना व्यय हुआ;
(ग) क्या उक्त पाइपलाइन पूरी तरह से चालू हो गई है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके पूर्ण रूप से चालू होने की संभावना कब तक है; और
(ड.) उक्त पाइपलाइन नेटवर्क से ईंधन की परिवहन लागत में किस हद तक कमी आएगी तथा आम जनता पर ईंधन लागत का बोझ कितना कम होगा?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ) कांडला गोरखपुर एलपीजी पाइपलाइन (केजीपीएल) परियोजना, जो की इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का एक संयुक्त उद्यम है, जिसका कार्यान्वयन आईएचबी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। परियोजना प्रगतिशील है और अब तक जिसकी वास्तविक प्रगति 90% तथा वित्तीय प्रगति 71% है। केजीपीएल परियोजना में कुल 10,088 करोड़ रु. की लागत वाली एक 2805 कि.मी. लंबी एलपीजी पाइपलाइन शामिल है। केजीपीएल के निर्माण पर अब तक किया गया कुल व्यय 7,148 करोड़ रु. है। पीएनजीआरबी ने दिनांक 31 मार्च, 2025 तक उक्त पाइपलाइन की निर्माणपूर्ती होना प्राधिकृत किया है। इस पाइपलाइन की कमीशनिंग से अनुमानित 59,000 केएल की एचएसडी खपत में कमी के साथ 185 मिलियन कि.मी. तक की अनुमानित चालू बल्क टैंक ट्रक्स में कमी आएगी।

****